राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय- थलीसैंण(पौड़ी गढ़वाल)

हिंदी विभाग

दृष्टि **(vision)**

मध्य हिमालय की उत्पत्तिकाओं के मध्य प्राकृतिक सौंदर्य की परिधि के सुरम्य वातावरण में अवस्थित राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय थलीसैंण का हिंदी विभाग अपने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। स्नातक कक्षाओं में हिंदी भाषा, साहित्य जहां एक ओर पाठ्यक्रम, पाठ्यचर्या के साथ-साथ व्यक्तित्व कौशल एवं संवर्धन विकास लक्ष्य केंद्रित कार्य पद्धतियों के अनुरुप हिंदी भाषा शिक्षण की रचना धर्मिता को स्थापित करते हुए आगामी प्रतिस्पर्धाओं के लिए संकल्पित है।

स्नातकोत्तर उपाधि के उपरांत महाविद्यालय छात्र छात्राओं से यह अपेक्षा करता है कि पर्वतीय प्रदेश का भावी युवा वर्ग अपने राज्य में ही नहीं अपितु संपूर्ण भारतवर्ष में भाषा साहित्य संस्कृति और समाज के साथ समन्वय स्थापित करते हुए मानवीय मूल्यों एवं नैतिकता का आचरण आत्मसात करेगा।

उद्देश्य **(mission)**

1. छात्र-छात्राओं में भाषा संबंधी गुणवत्ता का विकास करना।
2. हिंदी भाषा तथा साहित्य के प्रति अभिरुचि जागृत करते हुए सर्जनात्मक विकास को विकसित करना।
3. हिंदी भाषा तथा साहित्य के इतिहास ,मुख्य काव्यधाराओं एवं गद्य की विभिन्न विधाओं से परिचित कराते हुए उसकी प्रासंगिकता को आत्मसात करना ।